वार्षिक पाठ्यक्रम 2024-25

कक्षा – 6

विषय – हिंदी

क्र.सं	पाठ का नाम, रचयिता, विधा	विषय-वस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम उद्देश्य	सुझावात्क गतिविधि/ क्रियाकलाप
1	**पाठ 1.** **वह चिड़िया जो** केदारनाथ अग्रवाल कविता	प्रकृति एक चिड़िया जो उन्मुक्त प्राकृतिक वातावरण/ परिवेश में विचरण करती है जिससे वह प्रसन्न और संतुष्ट है।	पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिंदु **विशेषण** की पहचान और प्रयोग **क्रिया विशेषण** की पहचान और प्रयोग प्रकृति एवं पर्यावरण से सम्बंधित विषयों पर आधारित अपठित पद्यांश का अभ्यास संज्ञा और उसके भेद उदाहरण सहित।	● कविता विधा से परिचित होंगे, ● भावानुकूल सस्वर वाचन में सक्षम होंगे, ● प्राकृतिक परिवेश, जीव-जंतु के प्रति जिज्ञासु होंगे, ● पशु-पक्षी के प्रति संवेदनशील होंगे, ● कल्पनाशीलता का विकास होगा, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। ● संज्ञा और उसके भेद उदाहरण सहित जान सकेंगे ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे।	● प्रकृति एवं पर्यावरण से सम्बंधित बिंदुओं पर अनुच्छेद/ निबंध लेखन/ चित्र वर्णन/ नाट्य रूपांतरण/ संवाद लेखन/फैंसी परिधान प्रतियोगिता
2	**पाठ 2.** **बचपन** कृष्णा सोबती संस्मरण	संस्मरण/ कृष्णा सोबती के जीवन से जुड़ी यादें। अपने बचपन के दिनों को याद कर लेखिका समय के साथ आ रहे सामाजिक और सांस्कृतिक बदलावों की चर्चा कर रही हैं।	पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिंदु : भाववाचक संज्ञा की पहचान और प्रयोग **विशेषण** परिमाणवाचक की पहचान और प्रयोग सार्वनामिक विशेषण की पहचान और प्रयोग **सर्वनाम** की पहचान और प्रयोग **पुरुषवाचक सर्वनाम** की पहचान और प्रयोग	● 'संस्मरण' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, ● आदर्श वाचन में सक्षम होंगे ● बचपन के कई सारे अनुभवों की अनुभूति नए संदर्भ में कर सकेंगे, ● तत्कालीन परिस्थितियों के पारिवारिक एवं सामाजिक परिवेश को जानने और समझने का प्रयास करेंगे, ● शिमला और वहाँ की विशेषताओं को जान सकेंगे, ● अपनी अनुभूतियों को लिखने का प्रयास करेंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिंदुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, ● अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।	● अनुभव कथन सम्बंधित बिंदुओं पर अनुच्छेद /निबंध लेखन का अभ्यास ● अपने बचपन की किसी नादानी पर लघुकथा/ कहानी/ अनुच्छेद लेखन का अभ्यास/ महिला लेखिकाओं की सूची व रचना तैयार करना। ● भारत की विविधता यथा – खान-पान, वेश-भूषा, पर्व-त्योहार आदि के संदर्भ मे चर्चा

3	**नादान – दोस्त** प्रेमचंद कहानी	बाल सुलभ क्रियाओं का वर्णन। बच्चे नादानी में गलती कर देते हैं, जबकि उनका उद्देश्य अच्छा होता है। पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनात्मक भाव	पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिंदु : **सर्वनाम** की पहचान और प्रयोग **विशेषण** गुणवाचक की पहचान और प्रयोग विराम चिह्नों की पहचान और प्रयोग **पठित एवं अपठित गद्यांश/पद्यांश का अभ्यास** ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग	● कहानी विधा से परिचित होंगे, ● महान कथाकार प्रेमचंद एवं उनके कुछ प्रमुख कृतियों से परिचित होंगे और आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● हमारे आसपास रहने वाले पक्षियों के बारे में जानेंगे, ● पक्षियों के अंडे एवं उनके रख-रखाव के बारे में समझ आ जाएगी, ● नादानी में की गई गलतियों एवं उनके परिणाम के बारे में सोचने का प्रयास करेंगे और माता-पिता एवं अभिभावक द्वारा दिए गए निर्देशों का महत्त्व समझेंगे ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे। ● अभ्यास प्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।	● हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट, ब्लॉग पर छपने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ना और उसपर अपनी पसंद,नापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करना। अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखना। बचपन में की गई किसी नादानी पर लघुकथा/कहानी वाचन/ चर्चा का अभ्यास
4	**साथी हाथ बढ़ाना** साहिर लुधियानवी गीत	सामाजिक और सामुदायिक सहभागिता, परस्पर सहयोग की भावना	पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिंदु : ● तत्सम और तद्भव शब्दों की पहचान और प्रयोग ● आगत / विदेशज शब्दों की पहचान और प्रयोग ● सर्वनाम निजवाचक की पहचान और प्रयोग ● **पर्यायवाची और समानार्थी शब्दों** की पहचान और प्रयोग ● मुहावरे के अर्थ को समझना और वाक्य में प्रयोग करना	● भावानुकूल, सस्वर एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● कविता के मूल भाव यथा सहकारिता, सहयोग एवं परोपकार की भावना से परिचित होंगे एवं अपने जीवन में भी आत्मसात् कर सकेंगे, ● 'एक और एक ग्यारह' मुहावरे के द्वारा परस्पर सहयोग की भावना समझने का प्रयत्न करेंगे ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे, पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं एवं मुहावरों से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, ● अभ्यास प्रश्न हल करने में सक्षम होंगे। ● कहावतें और मुहावरों का प्रयोग करने में सक्षम होंगे। ● तत्सम और तद्भव शब्दों का प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	● अपने परिवेश में प्रचलित लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बात करना। ● विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों, जैसे- जाति, धर्म, रंग, लिंगभेद , रीति-रिवाज़ों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों या परिवार से प्रश्न करना ● भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करना, जैसे कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना। ● अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखना। लेखन के विविध तरीकों और शैलियों का प्रयोग करते हुए विभिन्न तरीकों से (कहानी, कविता, निबंध आदि) कोई अनुभव लिखना।

- **उपर्युक्त पाठ्यक्रम 13 सितम्बर 2024 तक पूरा कर लिया जाए।**
- **मध्यावधि परीक्षा हेतु पुनरावृति करवाई जाए।**
- **ध्यातव्य है कि पूरक पाठ्य-पुस्तक "बाल रामकथा " कक्षा-6 अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्य मात्र से है।**

मध्यावधि परीक्षा

5	**पाठ 8** **ऐसे – ऐसे** विष्णु प्रभाकर एकांकी	विद्यालय न जाने के बहाने बनाने के विषय को लेकर हास्य एकांकी	पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिंदु : ● अर्थ के आधार पर वाक्य रचना की पहचान एवं प्रयोग यथा – ● विधानवाचक ● निषेधवाचक ● प्रश्नवाचक ● आश्चर्यवाचक / विस्मयवाचक	● 'एकांकी' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, ● भावानुकूल एवं पात्रानुकूल आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● विद्यार्थी विद्यालय जाने के लिए किस- किस प्रकार के बहाने बनाते हैं इसे जान सकेंगे। ● एकांकी के विषय-वस्तु एवं घटनाक्रम को अपने निजी जीवन से जोड़कर देखते है। ● पात्र, घटनाक्रम, संवाद आदि शब्दों से परिचित हो सकेंगे। ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे। ● अभ्यास प्रश्न हल करने में सक्षम होंगे। ● संवाद लेखन, दृश्य लेखन का अभ्यास कर सकेंगे।	● हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारी परक सामग्री, इंटरनेट, ब्लॉग पर छपने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ना और उसमें अपनी पसंद-नापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करना। ● पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछना।
6	**पाठ 10** **झाँसी की रानी** सुभद्रा कुमारी चौहान कविता	भारत के प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन 1857 की क्रांति की नायिका वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के जीवन को लयबद्ध करती कविता	पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिंदु : ● **कारक के चिह्नों** की पहचान एवं प्रयोग ● **संबंध कारक** की पहचान एवं प्रयोग। यथा – का,के की, रा, रे, री आदि	● भावानुकूल, सस्वर एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● भारत के प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन 1857 की स्वाधीनता सेनानियों से परिचित होंगे, ● झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के जीवन की कहानी से अवगत होंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे। ● अभ्यास प्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।	● स्वतंत्रता आंदोलन और उनसे जुड़े नायकों के प्रति जिज्ञासा के माध्यम से उनके बारे में जानकारी संगृहीत करना ● उनके व्यक्तित्व पर निबंध/ अनुच्छेद आदि लेखन का अभ्यास।
7	**पाठ.12** **संसार पुस्तक है** जवाहर लाल नेहरु पत्र	भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु द्वारा पुत्री इंदिरा गांधी को पुस्तक के महत्व को दर्शाता हुआ लिखा	पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिंदु : ● शब्दों के संदर्भगत उचित अर्थ की पहचान एवं प्रयोग ● प्रत्यय की पहचान एवं प्रयोग ● योजक चिह्न की पहचान एवं प्रयोग	● 'पत्र-लेखन' विधा से परिचित होंगे, ● आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● जवाहरलाल नेहरु के नाम एवं उनके व्यक्तित्व से परिचित होंगे, ● तर्क कौशल एवं वैचारिकता का विकास होगा, ● पत्र-लेखन के महत्त्व को समझ सकेंगे,	● 'पुस्तक का महत्व' विषय पर बातचीत/ अनुच्छेद /निबंध लेखन का अभ्यास ● 'जवाहरलाल नेहरु एवं उनके व्यक्तित्व' विषय पर बातचीत/

		गया पत्र	● उपसर्ग व प्रत्यय का अभ्यास	● चिंतन की प्रवृति का विकास कर सकेंगे, ● महान एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व के द्वारा लिखे गए पत्रों के प्रति जिज्ञासु होंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिंदुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, ● शब्दों के संदर्भगत उचित अर्थ के महत्व को जान सकेंगे ● अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।	अनुच्छेद /निबंध लेखन का अभ्यास ● पत्र लेखन का अभ्यास ● पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। ● महान एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व के द्वारा लिखे गए पत्रों के प्रति जिज्ञासा और उनसे ली गई प्रेरणा अथवा सीख पर चर्चा
8	**पाठ.13** **मैं सबसे छोटी होऊँ** सुमित्रा नंदन पंत कविता	बचपन की स्मृतियों और माँ के अपनेपन के भाव को प्रकट करती हुई कविता ।	पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिंदु : ● शब्द-युग्म की पहचान एवं प्रयोग ● विलोम शब्द की पहचान एवं प्रयोग ● वाक्यांश के लिए एक शब्द	● भावानुकूल सस्वर वाचन में सक्षम होंगे, ● बचपन की स्मृतियों और माँ के अपनेपन के भाव से परिचित होंगे ● पारिवारिक मूल्यों का विकास होगा, ● कल्पनाशीलता का विकास होगा, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे ।	'माँ के अपनेपन के भाव' विषय पर चर्चा बचपन की स्मृतियों पर चर्चा भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना। अभिव्यक्ति की विविध शैलियों/रूपों को पहचानते हैं, स्वयं लिखते हैं, जैसे- कविता, कहानी, निबंध आदि। काव्य रचना के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करना कविता लेखन व पठन/ सस्वर वाचन ।

- **उपर्युक्त पाठ्यक्रम 31 जनवरी 2025 तक पूरा कर लिया जाए।**
- **वार्षिक परीक्षा में समस्त पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएंगे ।**
- **वार्षिक परीक्षा हेतु समस्त पाठ्यक्रम की पुनरावृति करवाई जाए।**
- **ध्यातव्य है कि पूरक पाठ्य-पुस्तक "बाल रामकथा " कक्षा-6 अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्य मात्र से है।**

वार्षिक परीक्षा